This question paper contains 5 printed pages.

8629 आपका अनुक्रमांक _____

B.Com. (बी० कॉम०) / I **AS**

Paper IV— HINDI (B)

प्रश्नपत्र IV— हिन्दी (ख)

(भाषा-दक्षता, निबन्ध-लेखन, काव्य संग्रह, नाटक, गद्य-संकलन)

(प्रवेश वर्ष 2000 से 2005 तक)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक* : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

टिप्पणी:— *प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक SOL/NCWEB / Non-Formal Cell के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक नियमित कॉलिजों के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में, कम होंगे।*

1. किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) अजहूँ न निकसे प्राण कठोर।
दरसन बिना बहुत दिन बीते, सुन्दर प्रीतम मोर॥
चारि पहर चारह्यू जुग बीते, रैनि गँवाई भोर।
अवधि गई अजहूँ नहिं आये, कतहूँ रहे चित चोर॥
कबहूँ नेन त्रिषि नहीं देषे, मारग चितवत तोर।
दादू ऐसे आतुर विरहनि, जैसे चंद चकोर॥

P. T. O.

(ख) कितनी सदियों के पुण्य फले
तब तुम आए
धरती के जागे भाग
मुक्ति के घन छाए,
सौभाग्य हमारा
हाड़-मांस का तन धरते
अपने-सा ही तुमको
देखा चलते-फिरते।

(ग) बुनी हुई रस्सी को घुमाए उल्टा
तो वह खुल जाती है
और अलग-अलग देखे जा सकते हैं
उसके सारे रेशे
मगर कविता को कोई
खोले ऐसा उल्टा
तो साफ नहीं होंगे हमारे अनुभव
इस तरह। 2×6=12

2. बिहारीलाल **अथवा** जयशंकर प्रसाद के साहित्य की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

'अब जागो जीवन के प्रभात' **अथवा** 'सूरदास के पदों' का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 8

3. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) आधुनिक युग में ललित कलाओं के विकास के साथ संस्कृति का अपरिहार्य संबंध जोड़ा जाने लगा है। हमारे देश में तो 'सांस्कृतिक कार्यक्रम' शब्द को इसी सीमित, कलात्मक प्रदर्शन के अर्थ में प्रयुक्त किया जाता है। संगीत, नृत्य, चित्रकला,

मूर्तिकला, साहित्य आदि के परिवेश में संस्कृति को सीमित कर दिया गया है। इस प्रकार सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से संस्कृति को स्वीकृत कर लेने पर व्यक्ति के मानसिक-आध्यात्मिक विकास के साथ उसका गहरा संबंध छूट जाता है।

अथवा

भीड़ के पिछले हिस्से में दर्शनशास्त्र के एक प्रोफेसर धीरे-धीरे किसी मित्र को समझा रहे थे, "जनाब, जिंदगी में तीन बटे चार तो दबाव है, कोएर्शन का बोलबाला है, बाकी एक बटे चार अपनी तबियत की जिंदगी है। देखिए न, मेरा काम तो एक तख्त से चल जाता है, फिर भी दूसरों के ड्राइंग-रूप में सोफ़े डालने पड़ते हैं। तन ढाँकने को एक धोती बहुत काफ़ी है, पर देखिए, बाहर जाने के लिए यह सूट पहनना पड़ता है। 8

(ख) तुम्हें सारी चीजें याद हैं, तभी तो इतने दुखी हो। मैं कहता हूँ, दुनिया जहन्नुम में जाए, तुमसे क्या?..... मुझसे क्या? क्या है हमारे अधिकार में? हमारी क्या ताकत है? इस ब्रह्माण्ड में हम सूई की नोक का करोड़वाँ हिस्सा भी तो नहीं हैं।

अथवा

कैसे जानता? ..... तुम इधर नौकरी में आये, मैं उधर राजनीति में छूट गया ..... तुम इधर जी-जान से घर-गृहस्थी सजाने लगे, दिन रात नौकरी करते रहे, मैं उधर विरोध में जा फँसा ..... रास्ते में कई बार देखा था, तुम मुझसे आँख बचाये भागे चले जा रहे थे ..... मैंने कई बार पुकारा। कई बार तुम्हें .....।" 8

4. 'चीफ की दावत' **अथवा** 'करवा का व्रत' का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 12

5. 'मिस्टर अभिमन्यु' नाटक के आधार पर राजन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'मिस्टर अभिमन्यु' का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। 12

6. (क) मानक हिन्दी का परिचय लिखिए। 5

(ख) राष्ट्रभाषा हिन्दी पर एक लेख लिखिए। 5

(ग) किन्हीं पाँच शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए:

रचइता, कवियत्री, प्रन्तु, परार्थना, अतिहासीक, विदवान, विकसीत, विज्ञानिक, लघू, चित्तर। 5

(घ) किन्हीं पाँच प्रशासनिक अभिव्यक्तियों के हिन्दी प्रतिरूप लिखिए:

(*i*) Accepted for payment

(*ii*) Charge handed over

(*iii*) Day to day administrative work

(*iv*) Explanation may be called for

(*v*) Do the needful

(*vi*) Office may note it carefully

(*vii*) Please circulate and file

(*viii*) This may please be treated as urgent. 5

(ङ) किन्हीं **पाँच** अंग्रेज़ी शब्दों के हिन्दी प्रतिरूप लिखिए :

Account, Audition, Back-dated, Bail, Cast, Client, Echo, Fixed Deposit, Finance, Goodwill. 5

7. किसी **एक** पर निबंध लिखिए :

(*i*) इक्कीसवीं सदी का भारत।

(*ii*) आतंकवाद।

(*iii*) मेरा प्रिय राजनेता।

(*iv*) महँगाई।

(*v*) भ्रष्टाचार। 15